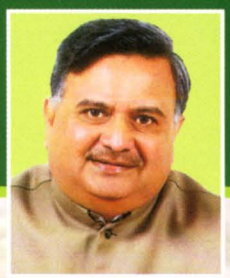

डॉ. रमन सिंह
माननीय मुख्यमंत्री एवं
अध्यक्ष

औषधीय पौधों की कृषि
केंवाच

श्री विक्रम उसेंडी
माननीय वन मंत्री एवं
उपाध्यक्ष

Mucuna prurita

उपयोगी भाग - बीज

सामान्य विवरण - कौंच चक्रारोही, अनेक शाखी, एक वर्षायु रोमेश लता होती है। पत्ते 6 से 9 इंच लम्बे त्रिपत्रक होते हैं, जो आकृति में विषम कोणीय तथा समचतुर्भुजाकार होते हैं। इसकी मुख्यशिरा से 6 से 7 पार्श्विक शिराएँ निकलती हैं। इसकी पत्ती का ऊपरी शिरा चिकना, जबकि निचला भाग अत्याधिक रोमिल होता है। इसकी जड़ रक्त वर्ण की होती है। कौंच का अत्याधिक उपयोग होने के कारण व्यापार में कोई दिक्कत नहीं आती है। स्थानीय व्यापारी भी इसकी खरीद कर लेते है।

प्राप्ति स्थान - यह समस्त भारत के उष्ण प्रदेशों के मैदानी भागों में पाया जाता है। उष्ण प्रदेशों में इसकी खेती भी की जाती है। कौंच सभी प्रकार की भूमि में आसानी से उगाई जा सकती है।

कृषि तकनीक - कौंच की उष्ण प्रदेशों में अच्छी फसल प्राप्त होगी तथा उसमें उत्पादन एवं गुणवत्ता भी उत्कृष्ट होगी। कौच का प्रवर्धन सीधा बीज से होता है, जिसे वर्षा ऋतु के पूर्व खेत में बो दिया जाता है। कौच एक वर्षीय चक्रारोही लता है, जिसे चढ़ने के लिए सहारा वृक्षों की आवश्यकता होती है अतः जहॉ-जहॉ आपके खेतों में बड़ें वृक्ष है उनके नीचे कुछ कौंच के बीज रोपित कर सकते है।

कौंच वर्षा ऋतु की फसल है। यदि पानी बरस रहा हो तो सिंचाई की आवश्यकता नहीं है। अगर समय पर वर्षा न हो तो हल्की सिंचाई आवश्यकतानुसार करते रहें। एक माह में कौंच की बेल सहारा पेड़ों पर चढ़ जाएगी। अक्टूबर-नवम्बर में इस बेल पर फूल लगने लग जायेगें व दिसम्बर-जनवरी में फलियॉ लगनी शुरू हो जाएगी। कौंच की फसल से प्रति एकड़ 6 से 7 क्वि. बीज का उत्पादन मिलता है, व 3 क्वि. जड़े प्राप्त होती है। कौंच के पौधों के उत्पादन के साथ-साथ सहारा वृक्षों के रूप में भी अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।

उपयोग - इसका क्वांथ सन्निपात की बेहोशी, किडनी को साफ रखने, योनि शैथिल्य दूर करने में, जलोधर, विसूचिका, बन्ध्यत्व दूर करने में एवं पक्षाघात में उपयोगी पाया गया है। इसके रोम, शून्यवात, लीवर एवं पित्ताशय की बीमारियों को दूर करने में उपयोगी है। इसकी फलियों के छिलके एवं पत्तियों का पशुआहार में उपयोग होता है, जिससे पशु पुष्ट रहता है तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ जाता है।

आर्थिक मूल्यांकन :-

निवेश मूल्य (प्रति एकड़ रू. में)	पैदावार मूल्य (प्रति एकड़ रू. में)	उपज	वित्तीय सहायता
8,000/-	13,500/-	6 क्वि. बीज एवं 3 क्वि. जड़	लागत मूल्य का 20%

टिप्पणी -
* उपरोक्त वित्तीय सहायता "औषधीय पौधों के राष्ट्रीय मिशन" योजना के अंतर्गत प्रदाय की जा सकती है।
* औषधीय फसलों का बाजार उतार-चढ़ाव भरा होता है अतः आर्थिक मूल्यांकन में अंतर होना संभावित है।
* भूमि की उपजाऊ क्षमता, जलवायु एवं फसल प्रबंधन के आधार पर उपज में परिवर्तन होना संभव है।

विस्तृत जानकारी हेतु कृपया सम्पर्क करें :-

छत्तीसगढ़ राज्य औषधीय पादप बोर्ड

(समिति पंजीयन क्रमांक 2538 दिनांक 17.08.2009)

मेडिकल कालेज रोड, रायपुर (छ.ग.) 492001, फोन : 0771-2522056, फैक्स : 2522057

ई-मेल : cgvanoushadhiboard@yahoo.co.in, वेबसाईट : www.cgvanoushadhi.gov.in